दैनिक भास्कर

सिटी लाइफ 22-12-2024

city life

CHANDIGEDI

फिलॉसफी व लिट्रेचर एक ही सिक्के के दो पहलू

SEMINAR

शनिवार को सेक्टर-16 के पंजाब कला भवन में सेमिनार हुआ। आज इसका आखिरी दिन है।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

• सेमिनार में लेखक पॉल कौर को सम्मानित किया गया। इनका नाम वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कार-2024 के लिए चुना गया है। इस दौरान अमरजीत सिंह ग्रेवाल, स्वर्णजीत सिंह सवी, माधव कौशिक, पॉल कौर, डॉ. योगराज और रंजेल सिंह मौजूद रहे।

मुझे लगता है साहित्य और दर्शन (फिलॉसफी) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दर्शन को आंखें साहित्य ने ही दी हैं। विषय साहित्य और दर्शन:अंतर-संवाद को लेकर यह बात रहे थे साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के अध्यक्ष माधव कौशिक। इस पर शनिवार को सेक्टर-16 पंजाब कला भवन में सेमिनार हुआ। दो दिन का यह सेमिनार साहित्य अकादमी नई दिल्ली और पंजाब कला परिषद के सहयोग से आयोजित किया गया। माधव कौशिक बोले- साहित्य और दर्शन कभी अलग रहे ही नहीं। दूसरी ओर कवियों व लेखक मायकों ने आसान शब्दों में हम तक हर बात पहुंचाई। रंजेल सिंह ने कहा - साहित्य और दर्शन दोनों में फर्क है, लेकिन दोनों के मेल से रचना खास बन सकती है। डॉ. अमरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा- मेरी नजर में जो शख्स साहित्य में दर्शन लिखते हैं, वह संत होते हैं। सेमिनार में पंजाब कला परिषद के चेयरमैन स्वर्णजीत सिंह सवी ने कहा - इस तरह के सेशन होने जरूरी हैं। इससे कई सवालों के जवाब हमें मिलते हैं। मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि दो दिन के इस सेमिनार के बाद लोग काफी जानकारी लेकर जाएंगे और दूसरों तक भी पहुंचाएंगे।

पहला सेशन मध्यकालीन साहित्य: दार्शनिक संवाद विषय पर आधारित था। इसमें स्पीकर थे रौणकी राम, मनजिंदर सिंह और डॉ. मनमोहन सिंह। प्रधानगी की डॉ. सरबजीत ने। रौणकी राम ने कहा – साहित्य के जरिए समाज की बात कही जाती है। थ्योरी, फिलॉसफी और थॉट यह तीनों अलग-अलग हैं, लेकिन जब मिल जाते हैं तो एक अलग ही दिशा में ले जाते हैं। मनजिंदर सिंह बोले- दर्शन और साहित्य को लेकर कई किताबें लिखी गईं। इनमें यह जानने को मिलता है कि ज्ञान प्राप्त करने की तीन दिशाएं हैं विज्ञान, कला और दर्शन। तीनों जुड़ी हुई हैं और एक ही दिशा में काम करती हैं। मनमोहन सिंह बोले- मेरी नजर में दर्शन और साहित्य में फर्क है। उदाहरण के लिए कुछ रचनाएं मनोरंजन के लिए होती हैं और उसमें संदेश आदि जुड़ जाएं या जीने की राह या कला सिखाएं तो वह रचना एक अलग ही रूप ले लेती है। आखिरी सेशन में जेबी सेखों, राजिंदरपाल सिंह बराड़, प्रवीन और तजिंदर सिंह शामिल हुए। इस दौरान डॉ. योगराज भी शामिल हुए।

आज सेमिनार में यह सेशन होंगे

सुबह 9:30 बजे : आधुनिक और समकालीन कविता का दार्शनिक संवाद विषय पर सेशन होगा। इसमें स्पीकर होंगे आत्म रंधावा व प्रवीन।

सुबह 11:45 बजे: स्पीकर पाली भुपिंदर सिंह और कुलदीप दीप सेशन में ड्रामा और थिएटर पर बात करेंगे। प्रधानगी करेंगे सतीश कुमार वर्मा।

दोपहर 2 बजे: समापन समारोह होगा। इस दौरान तेजवंत सिंह गिल, अश्वनी नैटले, मनमोहन और योगराज बात करेंगे।